

मः साक्षात्पुत्रि काश्वर मः साक्षात्पुत्रि काश्वर मः
साक्षात्पुत्रि काश्वर मः साक्षात्पुत्रि काश्वर मः
साक्षात्पुत्रि काश्वर मः साक्षात्पुत्रि काश्वर मः
साक्षात्पुत्रि काश्वर मः साक्षात्पुत्रि काश्वर मः
साक्षात्पुत्रि काश्वर मः साक्षात्पुत्रि काश्वर मः
साक्षात्पुत्रि काश्वर मः साक्षात्पुत्रि काश्वर मः
साक्षात्पुत्रि काश्वर मः साक्षात्पुत्रि काश्वर मः

2.632 I

ॐ नमः शीव रुस त्या य ॥ ॐ ॥ सफा हाय वि श्रि मा ह ॥
अयन धू हा न व ॥ ० ॥ सु या ध ॥ यु न या दा धा ॥ यु जा रु लि
जा य य के ॥ यु न म सु ले ॥ न क द ॥ यु निः क धी यू जा ॥
अग्नि सु य न धू न हा वः का क व निः क ख का ति य ॥ य
न हा ना मि ॥ ध नि वः अ सि धि नः क सि सुः स नि व
कः अ सि र्कः स ना व य ॥ स नि व द व नः क स त्या ना

क या व य अ म रु न सि नः स ना या न नः क थ न स हा
य कः अ का या व मि ज न यो ना स र्क ॥ य अ न य न सि न
गं ख नं ख न स र्क ॥ ध न निः अ सि थ य न या वः गा
न न नि या य ॥ उ काः य काः अ क रः ना यः इ वी कृ य
ध र्क का र्थः का य रु नो ॥ ध न जा य म रु ॥ ॐ क रु या
द रु न रु हं ॥ का य ॥ ॐ स व या य दि ॥ अ ध न रु हं

काय॥ ॐ सर्वे कर्मा वन नानि ह सि कृ नू इ हट् ॥ ॐ
वि न या व न नानि इ हट् ॥ ॐ हं वि श्व ध मा व न नानि
इ हट् ॥ ॐ क ल र ध क र ह न र मा व न नानि इ हट् ॥
काय॥ ॐ कं स न र य स न र मा व न नानि इ हट् ॥ काय
ॐ इं ह र स वा व नानि इ हट् ॥ काय॥ ॐ इं हट् स वा
व न नानि इ हट् य इं हट् ॥ काय॥ ॐ हं स वा व न

नानि इ हट् ॥ काय॥ ॐ कं क र स वा व न नानि इ हट् ॥
काय॥ ॐ वि न्द र स वा व न नानि इ हट् ॥ काय॥ ॐ इ ह र
स वा व न नानि इ हट् ॥ काय॥ ॐ य व र स वा व न नानि इ हट् ॥
काय॥ ॐ मे थ र वि य क म कि हं कु न इ हट् ॥
थू कि मा न न या य ध न चा व स न ॥ स जा का थं स न ॥

धृनहावः अस्मिन्निवसन् ॥ लयन आहायनः यन्त्र
लेख्यः अस्मिन्निवसन् ॥ यन्त्रायायः वरुः
सिधनः जजमः स्नानः नैवशः धुंः मरुः सुकि ॥ वि
इरु सर्वसंकल्पः लब्धा लब्ध विवर्जितः शिवसिंह
नमस्यामिः सुद्वयकिर्तिनिर्मले ॥ धन अस्मिन्निवसन् ॥

आइकिविय ॥ कंधर्मायकिष्ठाः धूमिधृनहावः
कंधर्मायाहावः दवगाइकिविय ॥ ॥ धनय
लुयाय ॥ दशुनिवविदिय ॥ स्नानकर्तः सुद्वयजा ॥
दंनदकम् ॥ कमायन ॥ कंधर्मायहाव ॥ अस्मि
स ॥ याननवा सनकावः अस्मिन्निवसन् ॥

उसवाङ्किस्मान् ॥

वहिविहानसक्तं ॥ नयकनद्याय ॥ तिननकियमानः
नामचीय ॥ यदि ॥ दं १ दकम् ॥ न सनावश ॥ अस्ति
नयथासविहानाय ॥ थर्कि अस्ति यकि थाविवि ॥ ००
कि सफाहाय ॥ अस्ति यकि सा दकि हान किया स
माक ॥ ०० ॥ ०० ॥ सफाहाङ्क्याकदयकवि

विधि ॥ ०० ॥ थायनकं कुत ज दि वं ग क का कुन ३४ ॥
काकवनिः कखजाविय ॥ इना नयकं याक २ यं काय
३ ॥ अनया ग्य ३ ॥ सनावया १ ग्यनया ग्य ३ ॥ सनिव
ग्य ३ ॥ ३ यकु गवाः यकामृक ॥ ग्य ३ ॥ सिजवावाः ग्य १
कंसलै श्वावाः यकनलेश १ लयनडाहायवश १ दि

सिंहः होमसि ३ गकाः सिमरु या रु १ धूंः वरुः सि
धनः खानः द कल्ल कः वृहि दय कः हासः मारुः
मासः युवाः खानवाः रु श्वाः धन अस्मा १४ नकाः
यकाः आ कुरुः नाय ॥ खदि कुरु अस्मिन्नासनः न क
स कुरु नि कुरु निविय धु न हावः धाव न रुवा ॥ ६० ॥ अरु

य कुरु नि धु य विधि ॥ अ न या गुरु गः य कुरु वृहिः
शु ग न व न डा हा य नः रु ग य कुरु न त्रः क गुरुः व
कः सिधनः खानः रु मः धु यासः धु रि दय क वि
धि ॥ न क स स म्मा खान स रु म्मा नू दय क ॥ अस्मिन्नासनः
स रु ॥ धु जा या य ॥ धु न हाव ॥ धन अ न या गुरु हा ग

स्वायनवाय॥ यच्छृङ्गः त्रयं आहोयनकय॥ य
कनत्रकः डाङ्गं॥ अस्मिन्नाथानसंतः यच्छृङ्ग
मकखडावयुजायाय॥ वरुः सिधनरेककमः स्वाज
वाययच्छृङ्गमकया॥ यच्छृङ्गवायुजा॥ मुनि॥
कमायनः विसृजने॥ यनयच्छृङ्गकिथकाय॥ नवाकया
विङ्गं सर्वसर्वसंकल्पः स्ववालावविवज्जिगः आकसिंह
नमस्वामि॥ शुद्धयकिनिनिर्गव॥ ॥ २

अस्मिन्नाथमात्रकाय॥ दहिजक्याः क्वंवाक्याय॥
वामवाङ्गयायनसंवाकाय॥ ॥ दहिजकखेमवाहा
काय॥ वामकखेकवहाकाय॥ ॥ यच्छृङ्गानकाय
विधिसमाक॥ ॥ शुद्ध॥ ॥ समत॥ ॥ ५५ वेतशुद्ध
संवालाकाकावायधनकाङ्गना॥ शुद्ध॥

ॐ नमः श्री गुरुभ्यो नमः ॥ ० ॥ सकीर्तकमाह ॥ ॥
न क स न ल न ग न व थ स व थि न कः अ क या सः सूर्य
विष्णु वीर्य ॥ जा कि या वा न १२ क यः न क च न न मः
न क य क्ण य वीरः न क य व्यः कृ त् नृ धू यः सा इ र
पा न १ य क्ण म ना दि ॥ ह ल ह नः न व न श १२ ना

यः अ क नः या कि जा कि स वि नः ग्य य ग्ण नः
म क थ कि ना न वा च कं ॥ सूर्यार्थः अ नृ द सा य ॥ थ न
गु नृ मं लु ल ॥ लं ख व वि वि य कं ॥ ॥ वि स क्ण न या च कः
थ न स्या न स हा न थ कि न कं ॥ ० ॥ स म त्या ह नृ लु मा व
की अ म्प या दि क्ण म मि ना र ॥ श्री गुरु ॥ ॐ नमः श्री

सूक्तं ॥ ऊवाकृ समसंकासंः कासकं जा म हाइ क मोनि
सर्वेया रुन नैय समासिदिवा क नं ॥ ॥ धन ॥ स
कासा न थमा नृदंः स्या नृना स्क न्ध सस्ति रंः च कास्य
यम ना र गवः न कात्म निरु धि रंः न क य म क
नां हा रंः का ला व्या कं दि ग न्क नः स ग नं सा स

न सा र्गः सर्किंच स सं शु लः यादि थ सी दृ सं धा ला
य ऊ य रु कि मा न सा अ द्या दि पूर्व कं कृ त्वा य
दी कृ रु न ल्य रं ॥ ॥ धन अ र्ध या च क ॥ अ द्या दि x
पुं न मा रु व रं आ दि था यः का ऽथ य यू शा य अ
वि ल्य ग रु स र्हा ना य ॥ अ नू न स ही ना यः अ मि रु
ना

कलदं व मायः कसूं संदसाय ॥ व क वा नः व क
पृथ गं न्ध य ह्ना य वी मायः रु रं गं न मा नू रायः द
व दान व कं म्हा लु कि न्य न नः सहि माय ॥ अ व ग न
र रु ग वा न म नू य्या ना दि ता थायः ॐ ह यं मं लु न
म ध म नू य वि ष्ठः ॐ दं व क रु ग न्ध य व्ध य दी या
ह२

य हा न व नि क्क दों लो य कि न्द क ना न मा मु क ॥ य स्य
कि य नं रु स्य यी कि ना रु ग क ना रु ग वा न ग्ना कि य
वि क्क नू उं थ दी वा क न वा च ना यः सह ग मी नी
स्वामी स स य स नी व रु नि मि कि र्थः श्री सूर्या य अ
द्य य कि न्द स्वा हा ॥ ॥ अरि ष क वि य ॥ अ न स

स्वा न विद्य ॥ ॥ धनसुतेया न या दार्द्य या चक ॥
धन स्वा न वाय क ॥ ॐ दि वा क न वा च नाय व ऊ
पू ष्यं य नि च्छ स्वा हा ॥ ॐ आ दि त्या य स्वा हा ॥ ॐ स
र्या य स्वा हा ॥ दधु म ॥ ॐ जू स्कं न्दा य न म ४ स्वा हा ॥
ॐ आ नि ना य न म ४ स्वा हा ॥ ॐ आ शं का ण य न म ४ स्वा

हा ॥ ॐ वा हि ता ना य न म ४ स्वा हा ॥ ॐ वा च य ठ य न
म ४ स्वा हा ॥ ॐ आ रा स वा य न म ४ व ऊ पू ष्यं य नि च्छ
स्वा हा ॥ ॥ वं कः सि ध नः ऊ ऊ म ॥ स्वा नः नी य शः
धू यः या न १२ म न वि य ॥ द व द कि न्म द १२ य ध
मा x ॥ धू रि धू न का व ख क न ॥ ० ॥ ॐ गु न व र्क

गुरु धर्मः गुरु संघं नमामुते ॥ ० ॥ हे गुरु ज्ञान
का देसि न आह्ला कथा मंद ॥ ५ ॥ कथां वृद्ध धर्म सं
घया के सन नया दाव गुरु या के साधना या दावः हे
गुरु गंध ध्याया विधि न आह्ला दय कवि ध्यामा
न ॥ गुरु की वाच ॥ मम संतु राजि नी स्वामि संसय

मम हृदय उत्पन्ना रुव कि ॥ ५ ॥ हे गुरु ज्ञान
गिनी मि सा ज न ग न सं स्वामि व संसय या य रा न या
क न या न स न आह्ला द के वि ध्याय मा न ॥ गुरु वाच ॥
मह गामि नी रु न धर्मः रु क्ता राव कवि ध्या कि
सर्व धर्म कवि ध्या मि ॥ व ना नां व न उ रु सं ॥ ० ॥

ॐ नमः शिवाय ॥ धनं ददाति धनं संपन्नं धनं
सत्तनं वृद्ध्या या वृद्धी नः समस्त धर्म कर्म कर्मणा
कथा देवैः सह रुद्रा मिनी न नथिं न व धं यन्म
कृत्तुं म इ ॥ ॥ कस्य धर्म इति या कः न न कादि
विना सनः पूर्व गमं स कर्तुं वा त्याः सुखा वती

गमनं न संसय ॥ ॥ ध्या धर्म या रुचः कृया या
ज्जा ज्जि मा म व वृद्ध स पुत्र स्व द का नी कृमी पुत्र व
याः न न क स वा न सा उ द्वा न कृय वः स्व र्ग त्वं न निव
स रुद्रा मिनी उ दानं ॥ ॥ पुन यु न वाच ॥ कृष्ट
वा मृ च न कृष्टः ना ग वा मृ च न नृ जः वि शी धि

३ नरु क३
नरु क विद्याः व नि ग्लह रु स वा प्र या न् ॥ का स रु
ग मी नी ॥ ॥ रु न्वः ना ना ना ग रु व आ दि नं ना
ग मू मा न का व स दां नि र्म न स नि य मा ध ॐ व्या या
रु साः वि द्या आ दि स म रु ना च ध क ॐ नू न सा रु न्व
का य म वा वं स आ दि ध न ड वाः य गु आ दिः व रु
आ २

रु न्वं सं सा न द का स नः स्व य रु २ य या का व जि वा न
द य मा ध क ॐ व्या या रु सा शु वि म न नं ॐ नू न
अ व स्यं ना यि व ॥ ॥ थ न न व य रु या रु सा न वा
य ॥ यं वा य हा न ॥ मु नि ॥ स य सा म ॥ ॥ य न
ह नू ॥ स रु ग मी रु न ध म्यः अ न व रु नि रु का

[illegible]

2.632 I
 10/10/10

10/10/10
 10/10/10
 10/10/10
 10/10/10

10/10/10 10/10/10 10/10/10 10/10/10
 10/10/10 10/10/10 10/10/10 10/10/10
 10/10/10 10/10/10 10/10/10 10/10/10
 10/10/10 10/10/10 10/10/10 10/10/10

10/10/10 10/10/10 10/10/10 10/10/10
 10/10/10 10/10/10 10/10/10 10/10/10
 10/10/10 10/10/10 10/10/10 10/10/10
 10/10/10 10/10/10 10/10/10 10/10/10
 10/10/10 10/10/10 10/10/10 10/10/10
 10/10/10 10/10/10 10/10/10 10/10/10

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥

[illegible]

卷之五

[illegible][illegible]

Handwritten text in the right margin of the top page.

Handwritten text on the top page, consisting of six lines of script.

Handwritten text on the bottom page, consisting of six lines of script.

[illegible]

20

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥

५३५